न्यूज़लेटर

जून 2024-जून 2025

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में

यादगार- एक साल

विपक्ष के नेता के तौर पर अपने कार्यकाल की शुरुआत में राहुल गांधी ने कहा था कि विपक्ष का नेता होने का मतलब लोगों की आवाज़ होना है। पिछले एक साल में उन्होंने संविधान की रक्षा और जनता के मुद्दों पर खुदको समर्पित किया है। उनकी कोशिशों में जाति जनगणना की वकालत करने से लेकर मणिपुर हिंसा को उजागर करना और हाशिए पर पड़े समुदायों की आवाज़ को बुलंद करना तक शामिल रहा है।

राहुल गांधी द्वारा लगातार बनाए गए दवाब ने सरकार को देश भर में जाति जनगणना कराने, केंद्र सरकार की लेटरल एंट्री नोटिफिकेशन को वापस लेने और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए मजबूर किया।

अपने कार्यकाल के आने वाले वर्षों में भी, राहुल गांधी भारत के संविधान को कायम रखने वाली मोहब्बत और सत्य की राजनीति को आगे बढ़ाते रहेंगे।

जून 2024-25 संख्या में

राज्य दौरे 16

प्रेस कॉन्फ्रेंस 18

जनसभाएं 60+

आधिकारिक कार्यक्रम 35+

संसदीय भाषण 16

जनसंवाद 115+

संसद में जनता की आवाज़

विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने संसद में जनता की आवाज़ को बुलंद किया है और सभी भारतीयों, विशेषकर 90% आबादी को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाया है।

डरो मत, डराओ मत

संसद में अपने पहले भाषण में राहुल गांधी ने मोहब्बत की राजनीति और संविधान की लड़ाई के बारे में बात की, जिसने INDIA ब्लॉक को नफरत की राजनीति के खिलाफ लड़ाई लड़ने में मदद की। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में हर धर्म एक ही संदेश देता है: प्रेम और सहिष्णुता।

सरकार जो 90% लोगों के लिए काम करे

बजट 2024-25 के बाद बोलते हुए राहुल गांधी ने अरबपतियों के फायदे में बजट बनाने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था तभी फलेगी-फूलेगी जब किसानों, महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों की इसमें सच्ची हिस्सेदारी होगी।

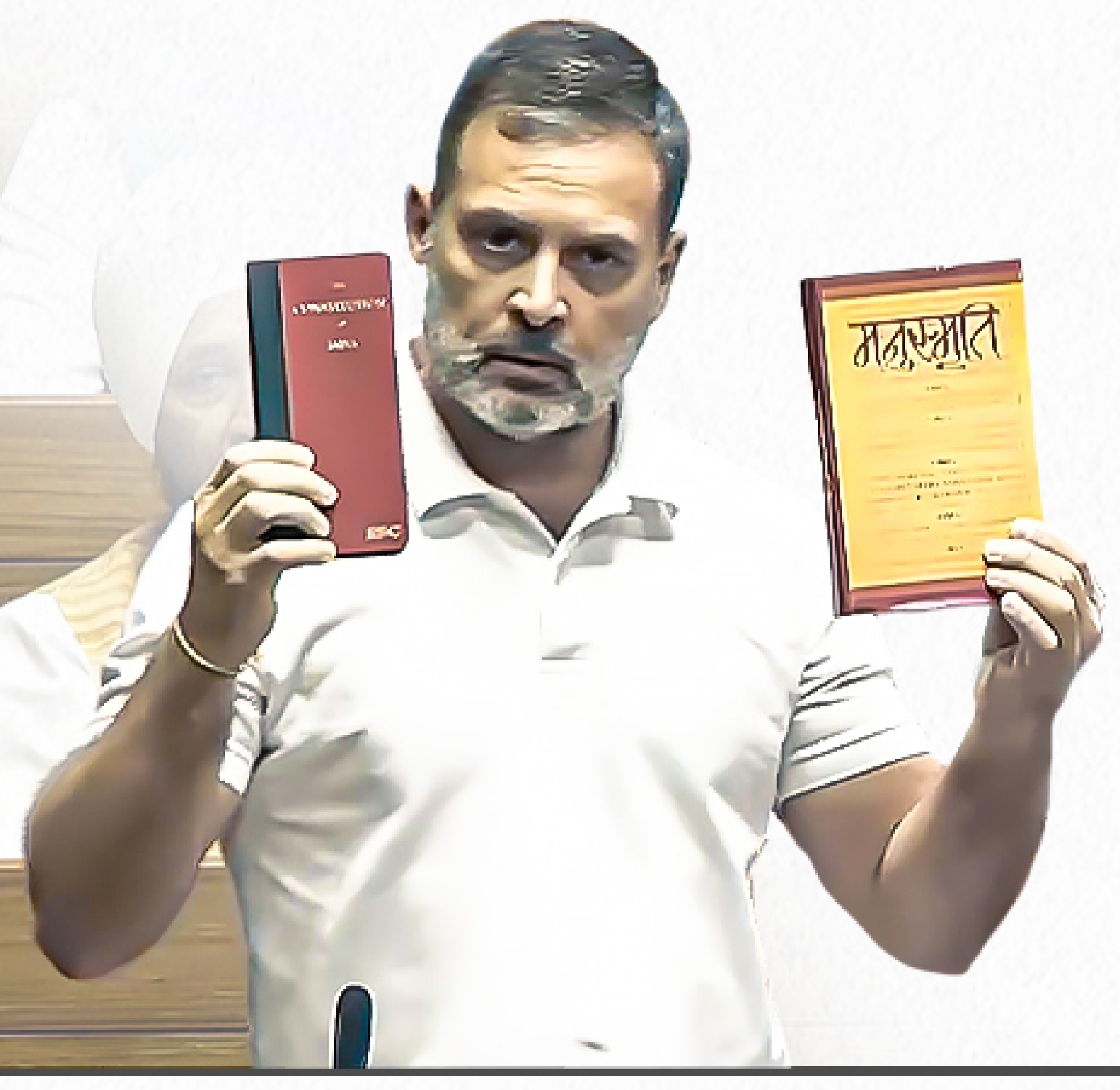

संविधान बनाम मनुस्मृति

संविधान के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में दिए गए भाषण में राहुल गांधी ने संविधान और मनुस्मृति के बीच विरोधाभासों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे भाजपा संविधान के विचारों का विरोध करती है और मनुस्मृति जैसे जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले ग्रंथ का पालन करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था और भागीदारी के लिए एक नया विज़न

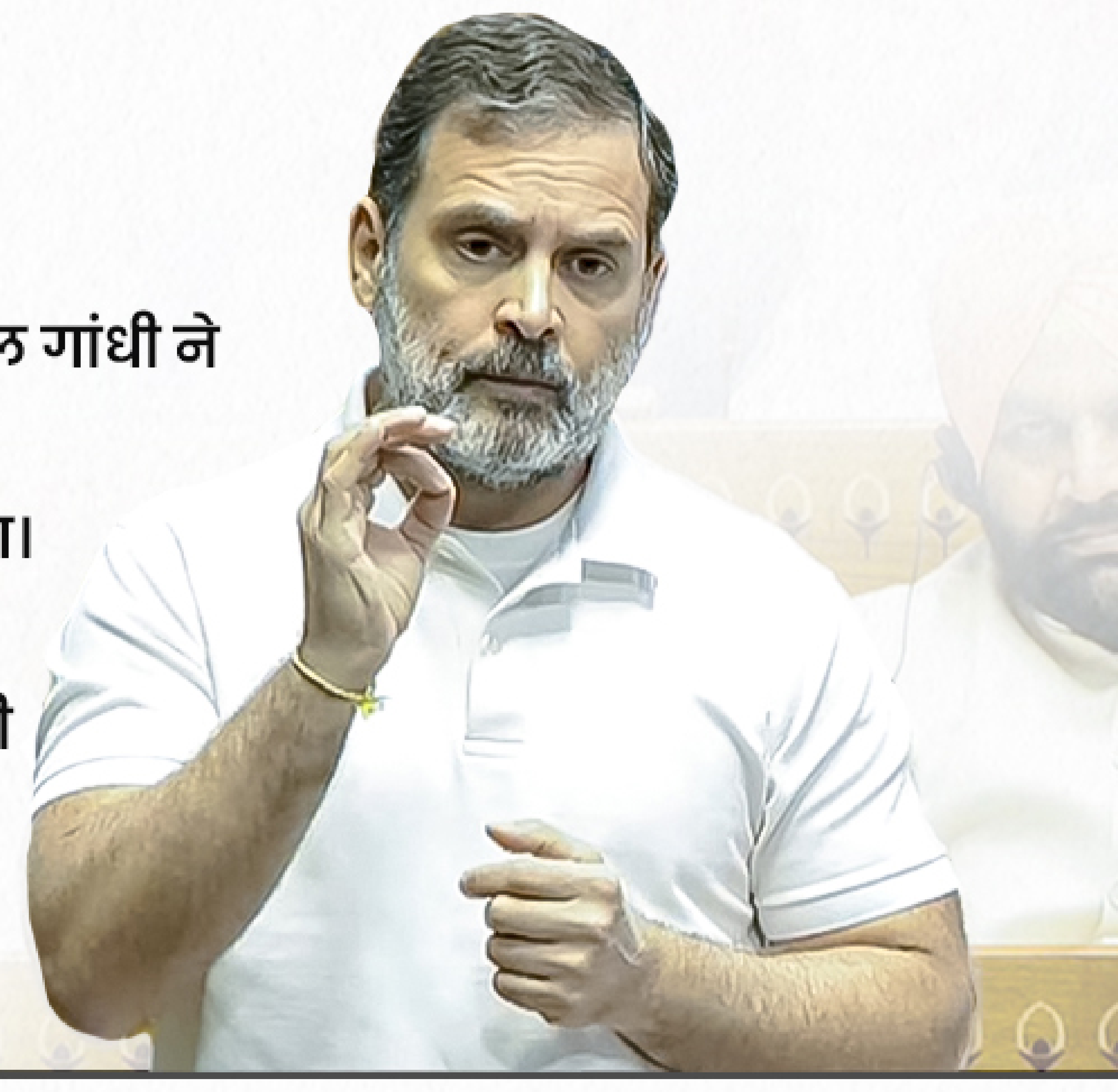

अपने हाल ही के संसद में दिए गए भाषण में, राहुल गांधी ने उत्पादन और टेक्नोलॉजी पर आधारित भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपने विज़न को सामने रखा। उन्होंने एक नए विकास मॉडल 'समृद्धि से भागीदारी' के बारे में बात की, जो उत्पादन प्रणाली में वंचित समुदायों की भूमिका को बढ़ाने पर जोर देता है।

नेता प्रतिपक्ष के पत्र

सबकी सेहत का ख्याल

राहुल गांधी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा को पत्र लिखकर पूरे भारत में बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच और सुविधाओं तथा आयुष्मान भारत में कवरेज बढ़ाने की मांग की। उन्होंने श्री नड्डा और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री आतिशी सिंह से अनुरोध किया कि वे AIIMS, नई दिल्ली आने वाले गरीब मरीजों के लिए आश्रय उपलब्ध कराएं जो बाहर सोने के लिए मजबूर हैं।

देश जवाब चाहता है

पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर के बाद, राहुल गांधी ने खरगे जी के साथ मिलकर पीएम मोदी को पत्र लिखाऔर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मान

राहुल गांधी ने महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री अन्नपूर्णा देवी को पत्र लिखकर आंगनवाड़ी मानदेय में केंद्र सरकार का हिस्सा बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही सेवानिवृत्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को ग्रेच्युटी प्राप्त करने में मदद देने की भी मांग की।

विश्वविद्यालयों को सभी के लिए सुरक्षित स्थान बना रहे हैं

राहुल गांधी ने कांग्रेस शासित राज्यों- कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वे उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने के लिए रोहित वेमुला अधिनियम को लागू करें और एक मिसाल पेश करें।

तटीय आजीविका और पर्यावरण का संरक्षण

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के तटों पर अपतटीय खनन टेंडरों को रद्द करने का आग्रह किया। उन्होंने पत्र में समुद्री जीवन और मछुआरों की आजीविका पर अभी तक पहचाने नही गए पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंता जताई।

जननायक न्याय योद्धा

सांच को आंच नहीं

2020 में हाथरस बलात्कार और हत्या की पीड़िता के परिवार से मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें पुनर्वास का जो वादा किया था, वह अब तक पूरा नहीं हुआ है। संसद में राहुल गांधी ने यह वादा किया कि इंडिया गठबंधन इस परिवार का पुनर्वास करेगा।

मणिपुर में शांति स्थापित करना

मणिपुर में शरणार्थी शिविरों का दौरा करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की मणिपुर न आने और यहां की कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभालने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने मणिपुर के लोगों को अपना समर्थन देते हुए संसद में उनकी आवाज़ उठाना जारी रखा।

हम आतंक नहीं, अमन चाहते हैं

पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी ने श्रीनगर में घायलों, स्थानीय कश्मीरियों और जम्मू-कश्मीर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने पुंछ का भी दौरा किया, जहां उन्होंने पाकिस्तानी सेना की अंधाधुंध गोलाबारी से हुए नुकसान का जायज़ा लिया और पुंछ के लोगों के लिए समुचित राहत पैकेज की मांग की।

90% आबादी के लिए शिक्षा

बिहार में शिक्षा न्याय संवाद के दौरान राहुल गांधी ने दलित छात्रावास जाकर छात्रों से मिलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और प्रवेश की अनुमति नहीं दी। उन्होंने इस कदम को असंवैधानिक बताया और कहा कि यह बिहार सरकार की दलित विरोधी मानसिकता को छिपाने की कोशिश है।

श्रमिक अधिकारों की ओर कदम

लोको पायलटों से उनकी चुनौतीपूर्ण कामकाजी परिस्थितियों पर चर्चा की - जिसमें उन्हें शौचालय जाने तक के लिए ब्रेक न मिलना, 14 घंटे की शिफ्ट में काम करने के लिए मजबूर करना और 40 डिग्री से अधिक तापमान में परिचालन करना शामिल था।

महंगाई डायन खाए जात है

दिल्ली में सब्ज़ी मंडी का दौरा कर खाद्य पदार्थों और सब्जियों की बढ़ती कीमतों पर चर्चा की। सब्जी मंडी में महिलाओं ने राहुल गांधी को बताया कि बढ़ती महंगाई के कारण घर का खर्च चलाना उनके लिए चुनौती बन गया है।

दिल्ली AIIMS के बाहर मरीजों के साथ

दिल्ली AIIMS के बाहर कड़ाके की सर्दी में फुटपाथ पर सो रहे मरीजों और उनके परिजनों से मुलाक़ात की, उनकी परेशानियों को जाना। राहुल गांधी ने उन मरीज़ों से बात की जो बिना किसी उचित आश्रय, भोजन और बुनियादी सुविधाओं के यहां रहने को मजबूर थे।

अंबेडकर जी की आवाज़ दलित युवा की आवाज़ है

रायबरेली में दलित युवा संवाद के दौरान राहुल गांधी ने दलित युवाओं से बातचीत की और अंग्रेज़ी शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि आरएसएस और भाजपा अंग्रेज़ी सीखने का विरोध करते हैं, जबकि उनके अपने बच्चे विदेशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करते हैं।

नई दिल्ली स्टेशन के नायकों को सलाम

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बहादुर कुलियों से मुलाकात की, जिन्होंने भगदड़ के दौरान अनगिनत जानें बचाई थीं। कुलियों ने राहुल गांधी से अपनी आर्थिक कठिनाइयों और सरकारी सहायता की कमी के बारे में बात की।

नशा सपनों को तोड़ता है

केरल के डॉक्टरों और इन्फ्लुएंसर्स के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते हुए, युवा जिंदगियों को तबाह कर रहे नशे के बढ़ते संकट पर चर्चा की।

जन संसद राहुल गांधी द्वारा बनाया गया एक मंच है, जिसका उद्देश्य है कि अलग-अलग समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले समूह अपने मुद्दों को सीधे संसद में ला सकें। राहुल गांधी का मानना है कि संसद में लोगों की आवाज़ों और उनकी समस्याओं की सुनवाई होनी चाहिए।

किसानों की आवाज़ संसद तक

देश के अन्नदाताओं को संसद में आमंत्रित किया, जिन्हें सरकार ने दिल्ली पहुंचने से रोक दिया था। राहुल गांधी ने देश भर के किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे कर्ज, कानूनी MSP और कृषि ऋण जैसे मुद्दों पर बातचीत की।

ओबीसी की हिस्सेदारी के समर्थन में

ओबीसी कर्मचारी महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात की और सरकारी नौकरियों में अवसरों और प्रतिनिधित्व की कमी से जुड़ी उनकी चुनौतियों को सुना और समझा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान

राहुल गांधी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनके महत्वपूर्ण योगदान को सराहा। उन्होंने उनकी आर्थिक मुश्किलों और केंद्र सरकार की ओर से मानदेय न बढ़ाए जाने के बारे में जानकारी ली।

फंड दलितों और आदिवासियों तक पहुंचे

बहुजन अर्थशास्त्रियों और शिक्षाविदों के एक समूह के साथ बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने SCSP और TSP को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से सरकार द्वारा आवंटित धन वास्तव में हाशिए पर मौजूद समुदायों तक पहुंचना चाहिए।

CLICK TO SUBSCRIBE TO THIS NEWSLETTER